हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-6, भोपाल, 16 से 31 जनवरी 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

डोनाल्ड ट्रंप ने सात मुसलमान देश से आने वाले शरणार्थियों को किया बैन

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी शरणार्थी पुर्नवास कार्यक्रम 120 दिनों के लिए स्थगित किया। सात मुसलमान देशों के नागरिकों को अब 90 दिनों तक नहीं मिलेगा कोई वीजा।

वाशिंगटन। शुक्रवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने एक नया एग्जिक्यूटिव ऑर्डर साइन किया है। इस ऑर्डर के तहत ही अमेरिका में सात मुसलमान देशों सीरिया, इरान, इराक, लीबिया, सूडान, यमन और सोमालिया से आने वाले शरणार्थियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने चुनावी अभियान में यह वादा भी किया था कि वह सत्ता में आते ही शरणार्थियों पर सख्त कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा है कि वह अमेरिका को चरमपंथी इस्लामिक आतंकवादियों से सुरक्षित बना रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ऑर्डर को साइन करने के बाद पेंटागन से कहा, 'यह काफी बड़ा मसला है। विदेशी आतंकवादी जो अमेरिका में दाखिल होते हैं उनसे देश की रक्षा करनी है।' राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक वह चरमपंथी इस्लामिक आतंकवादियों को अमेरिका से दूर रखने के लिए वह नए कड़े कदम उठा रहे हैं। वह उन्हें यहां पर नहीं देखना चाहते हैं। पर्यटकों को भी 90 दिनों तक नो वीजा ट्रंप ने पेंटागन में ऑर्डर को साइन किया और कहा कि हम सिर्फ उन्हीं लोगों को देश में एंट्री देंगे जो अमेरिका को सपोर्ट करेंगे और यहां के लोगों से प्यार करेंगे। ट्रंप ने अमेरिका के शरणार्थी कार्यक्रम को 20 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। वहीं जांच के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब सिर्फ उन्हीं लोगों को अमेरिका में एंट्री मिलेगी जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा नहीं होंगे। वहीं सीरिया से आ रहे शरणार्थियों को अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। सिर्फ उन्हीं शरणार्थियों को आने की मंजूरी मिलेगी जिनके बारे में राष्ट्रपति यह फैसला नहीं लेते कि वह व्यक्ति देश के लिए कोई खतरा नहीं है। इसके अलावा सीरिया, इरान, इराक, लीबिया, सोमालिया, यमन और सूडान के शरणार्थियों या फिर पर्यटकों को अगले 90 दिनों तक कोई वीजा नहीं दिया जाएगा। वहीं इन देशों से आने वाले अल्पसंख्यक जैसे क्रिश्चियंस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।

बोलीं मलाला यूसुफजई : मेरा दिल टूट गया है

नोबल पुरस्कार विजेता और पाकिस्तानी एक्टिविस्ट मलाला यूसुफजई का कहना है कि शरणार्थियों पर दिए गए ट्रंप के आदेश से मेरा दिल टूट गया है। मलाला ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन बच्चों और माता पिता के अंदर पल रही उम्मीदों के दरवाजे बंद कर दिए हैं जो अपने यहां फैली हिंसा से परेशान हैं। मलाला ने कहा कि में डोनाल्ड ट्रंप से पूछना चाहती हूं कि इस समय दुनिया में फैली अशांति और अनिश्चितता के बीच वह उन बच्चों और उनके परिवार पर कैसे अपना रुख बदल सकते हैं। जो हिंसा से इस समय जूझ रहे हैं।

एयरलाइन की मुस्लिम कर्मी से मारपीट

अमेरिका में हिजाब पहनकर एयरलाइन में काम कर रही एक मुस्लिम महिला कर्मचारी पर नस्ली हमला किया गया। एक शख्स ने महिला को लात मारी और उससे बदजुबानी भी की। हमलावर ने कहा कि 'अब यहां ट्रंप है और वो तुम सबसे छुटकारा पा लेगा।' क्वींस डिस्ट्रिक अटॉर्नी रिचर्ड ए ब्राउन ने बयान में कहा कि राबिया खान डेल्टा एयरलाइन में काम करती हैं। दरवाजे पर जोर से मुक्का मारा... वह बुधवार को जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अपने दफ्तर में बैठी थीं। तभी रॉबिन रोड्स अरूबा से आकर यहां मैसाचुसेट्स के लिए अपनी कनेक्टिंग फ्लाइट का इंतजार कर रहा था। वह राबिया के पास पहुंचा और दरवाजे पर जोर से मुक्का मारा। इसके बाद राबिया के दाहिने पैर पर लात मारी।

भंसाली की हैसियत है जर्मनी में हिटलर के खिलाफ फिल्म बनाने की

जयपुर। जयपुर में संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावती के सेट पर करणी सेना के उत्पात से जहां बॉलीवुड आग-बबूला है, वहीं खुद करणी सेना को अपने किए पर कोई अफसोस नहीं है. उसका कहना है कि गलती भंसाली की ही है जो फिल्म के जरिए इतिहास से छेड़छाड़ कर रहे हैं.

राजपूत करणी सेना के संस्थापक लोकेंद्र सिंह कल्वी ने कहा कि हमारी नाक के नीचे राजपूतों की धरती पर हमारे पूर्वजों के इतिहास के साथ छेड़छाड़ की जा रही है. उन्होंने कहा कि जो चीजें इतिहास में हैं ही नहीं वो फिल्म में नहीं दिखाई जानी चाहिए.

'हिटलर के खिलाफ बनाएं फिल्म': कल्वी ने कहा कि हमने यही बात जोधा-अकबर के समय भी कही थी. उन्होंने सीधे-सीधे चुनौती देते हुए कहा कि क्या भंसाली की हैसियत जर्मनी में जाकर हिटलर के खिलाफ फिल्म बनाने की है. कल्वी ने फिल्म के खिलाफ करणी सेना के गुस्से जो पूरी तरह से जायज ठहराया.

फिल्म के सेट पर की अभद्रता: फिल्म 'पद्मावती' में ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ के आरोप में करणी सेना ने फिल्म के सेट पर जमकर उत्पात मचाया. सेना के कार्यकर्ताओं ने निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ अभद्रता भी की. फिल्म की शूटिंग जयपुर के जयगढ़ फोर्ट में चल रही थी।

विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे अखिलेश यादव, बोले विरोधी कर रहे हैं उनके खिलाफ साजिश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया है. शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय पहुंच कर अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ मिले और बताया कि वो चुनाव नहीं लड़ेंगे. सपा नेता रविदास मेहरोत्रा संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा, अखिलेश यादव जी ने कहा है कि चुनाव लड़ने का काम वो नहीं करेंगे. 2018 तक वैसे ही अखिलेश यादव विधान परिषद (एमएलसी) के सदस्य हैं. हालांकि इससे पहले खबर आयी थी कि अखिलेश यादव सरोजनी नगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे. अखिलेश यादव ने साफ कर दिया कि वो एमएलसी में ही बने रहेंगे और विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी और गंठबंधन के लिए जोरदार चुनाव प्रचार करेंगे. विरोधी कर रहे हैं मेरे खिलाफ साजिश।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे 12 रैलियों को संबोधित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में गठबंधन के तहत सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी जहां सूबे में 14 संयुक्त रैलियां करने वाले हैं, वहीं भाजपा की चुनावी नैया पार लगाने का जिम्मा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सिर ले लिया है। उत्तर प्रदेश में मोदी 12 रैलियां करेंगे, जिसका ब्लूपिंट्र भाजपा ने तैयार कर लिया है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, मोदी का यूपी चुनावी दौरा 4 फरवरी से शुरू होगा। पहले दो चरण के लिए 4 रैलियां होंगी। पीएम मोदी 4, 7, 10 और 12 फरवरी को रैलियां करेंगे। हालांकि अभी तक पार्टी की तरफ से अभी तक इन रैलियों के स्थलों का चयन नहीं किया गया है। सूत्र बताते हैं कि सर्वाधिक ज्यादा जोर पश्चिम उत्तर प्रदेश के पहले, दूसरे और तीसरे चरण पर रहेगा। आखिरी फेज में रैलियों की संख्या बढ़ सकती है। इस बार भाजपा पूर्वांचल में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश में है। वैसे चुनाव घोषित होने के पहले ही परिवर्तन यात्रा के दौरान मोदी ने प्रदेश के हर कोने में जाकर छह रैलियों को संबोधित किया था।

लाखों के टॉयलेट बनाए, अब खुद तोड़ने की तैयारी

इंदौर। नगर निगम ने शहर को खुले में शौचमुक्त घोषित करने के लिए हर तरफ बगैर प्लानिंग ताबड़तोड शौचालय बनाए और अब खुद ही इन्हें तोड़ने जा रहा है। मामला भूरी टेकरी का है। यहां निगम ने 350 टॉयलेट बनाए, लेकिन अब प्रधानमंत्री आवास योजना में मल्टी बनाने के लिए पूरी बस्ती को हटाया जा रहा है। पिछले दिनों अधिकारियों ने यहां का दौरा कर रहवासियों से मकान खाली करने की बात कही। बस्ती की जगह मल्टी बनाने की योजना पहले से थी, इसके बावजूद टॉयलेट बनाई गई।

47 लाख 60 हजार रुपए खर्च

निगम को घरों में व्यक्तिगत टॉयलेट बनाने में 13 हजार 600 रुपए खर्च आया। इसमें 50 प्रतिशत केंद्र सरकार, 30 प्रतिशत राज्य सरकार और 10 प्रतिशत निगम द्वारा खर्च किया गया। बाकी 10 प्रतिशत मकान मालिक से लिए जा रहे हैं। इस तरह 350 टॉयलेट बनाने में 47 लाख 60 हजार रुपए खर्च हुए। अस्थायी शेल्टर के साथ टॉयलेट बनाने पर फिर खर्च प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभारी और अधीक्षण यंत्री हरभजन सिंह का कहना है कि योजना में पूरी बस्ती को हटा कर 1268 फ्लैट्स की मल्टियां बनाई जाएंगी। इसके लिए जो नई टॉयलेट बनाई गई हैं उन्हें भी तोड़ा जाएगा। यहां फिलहाल 700 घर हैं। घर और टॉयलेट तोड़ने के दौरान लोगों को परेशानी न हो इसलिए 800 अस्थायी शेल्टर बनाए जा रहे हैं। इनके साथ महिलाओं, पुरुषों के लिए अलग से टॉयलेट बनाए जाएंगे। मल्टियां तैयार होने में डेढ से दो साल लगेंगे।

12 हजार टायलेट बनाना है

शहर में 12 हजार घरों में टॉयलेट बनाए जाना थे, इनमें से नौ हजार घरों में टॉयलेट बन चुके हैं। स्वच्छ भारत मिशन में सख्त निर्देश हैं कि कहीं भी खुले में शौच नहीं होना चाहिए। इसलिए भूरी टेकरी में भी शौचालय बनवाए गए थे। इस बस्ती को शिफ्ट करना पहले से तय था, लेकिन शिफ्टिंग में कितना समय लगेगा यह तय नहीं था, इसलिए टॉयलेट बनाए थे। -एनएस तोमर, अधीक्षण यंत्री, जल यंत्रालय, नगर निगम

शौचालय तोड़ना थे तो पैसे क्यों लिए

सोमवार को अधिकारियों ने दौरा कर बस्ती हटाने की चेतावनी दी है, लेकिन हम कहीं नहीं जाना चाहते। हर स्तर पर आवाज उठा रहे हैं, क्योंकि जो फ्लैट दिए जा रहे हैं, उनकी हालत बेहद खराब है। टॉयलेट बनाने के लिए अधिकतर रहवासियों से पैसे लिए गए हैं। अगर तोडना ही थे तो पहले पैसे क्यों लिए गए। -अंजू कैथवास, रहवासी

पहले बनवाने का दबाव था, अब तोड़ने का

पहले अधिकारियों ने कहा- टॉयलेट बनवा लो फिर किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। कई लोगों ने पैसे दे दिए, टॉयलेट बनवा ली। तब बनवाने का दबाव बनाया था, अब तोड़ने की बात कर रहे हैं। यहां सभी निम्नवर्गीय लोग रहते हैं। एक-एक रुपया जमाकर काम करते हैं। मनमानी के चलते सभी को आर्थिक बोझ पड़ेगा। -मायाराम राठाड, रहवासी?

66 डॉक्टरों पर भारी पड़ी डाक की देरी, उम्मीदवारी निरस्त

इंदौर। मेडिकल ऑफिसर बनने की दौड़ में शामिल 66 डॉक्टरों पर डाक की देरी भारी पढ़ गई। मप्र लोकसेवा आयोग (पीएससी) ने इनकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी। इन्होंने अंतिम तारीख से पहले आवेदन भेजे थे लेकिन वे समय पर आयोग को नहीं मिल पाए। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत मेडिकल ऑफिसर की नियुक्ति के लिए पीएससी ने 2015 में विज्ञापन जारी कर उसी साल आवेदन मंगवाए थे। तब से चल रही प्रक्रिया के तहत पदों के लिए इंटरव्यू का दौर इसी महीने शुरू हुआ जो मार्च तक चलेगा। इस बीच कई उम्मीदवार इंटरव्यू के लिए अयोग्य करार दे दिए गए थे। उम्मीदवारों ने आयोग में संपर्क किया था। उसके बाद पीएससी ने निरस्त आवेदकों की ताजा सूची जारी की। आयोग के मुताबिक ऑनलाइन आवेदन भरने के बाद आवेदन और प्रमाणपत्रों की प्रमाणित हार्ड कॉपी भेजना थी। इसके लिए 25 जुलाई 2015 अंतिम तारीख निर्धारित की गई थी। 66 उम्मीदवार ऐसे हैं जिनके आवेदन आयोग को इस तारीख के बाद मिले। लिहाजा विज्ञापन की शर्त के मुताबिक इन्हें पात्र नहीं माना गया है। पीएससी ने सूचना भी जारी की है कि डाक की देरी के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं है। इस बारे में पद विज्ञापन के साथ ही स्पष्ट सूचना भी जारी की गई थी।

मेहंदी लगी हो तो भी नहीं दे सकेंगे राज्य पात्रता परीक्षा

इंदौर। राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) की परीक्षा में शामिल हो रहे उम्मीदवारों के लिए मप्र लोकसेवा आयोग (पीएससी) ने कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हाथों में अगर मेहंदी लगी हो तो ऐसे उम्मीदवार परीक्षा नहीं दे सकेंगे। रंग या स्याही लगे हाथों के साथ भी परीक्षा में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि परीक्षा हॉल में प्रवेश बॉयोमेट्रिक पहचान से दिया जाएगा। मेहंदी या रंग लगा होने पर दिक्कत होती है व पहचान छुपाकर गड़बड़ी की भी आशंका रहती है। 25 साल बाद हो रही राज्य पात्रता परीक्षा 25 फरवरी से 8 मार्च तक होगी। ये चीजें रहेंगी वर्जित : जूते, मोजे, तमाम इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, धूप के चश्मे, टोपी, स्कॉर्फ, कफलिंक, बालों में बक्कल, हाथ में घड़ी, रिस्ट बैंड, कमर में बेल्ट। उम्मीदवारों से कहा गया है कि वे चप्पल या सेंडल पहन कर आएं। पड़ोसी करेगा पहचान : पीएससी ने परीक्षा प्रणाली को निष्पक्ष बनाए रखने के लिए एक और व्यवस्था की है। परीक्षा केंद्र पर पहचान सुनिश्चित होने के बाद ही उम्मीदवार को कम्प्यूटर अलॉट होगा। जिस कम्प्यूटर पर छात्र परीक्षा देगा, उसकी स्क्रीन पर संबंधित छात्र का फोटो डिस्प्ले होगा। इसके बाद हर पड़ोसी छात्र को बगल वाले कंप्यूटर पर बैठकर इस बात की शिनाख्त और पुष्टि करनी होगी कि परीक्षा वही छात्र दे रहा है।

आगर जनसम्पर्क कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

आगर। गत दिवस गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में उत्कृष्ट कार्य के लिये जिला जनसम्पर्क कार्यालय के सहायक संचालक रविन्द्र देवड़ा, कम्प्यूटर ऑपरेटर ईश्वर मालवीय एवं शासकीय कव्हरेज हेतु फोटोग्राफर श्रीकान्त माहेश्वरी को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि सहायक संचालक श्री देवड़ा को जिले में नि:शुल्क प्रतियोगिता परीक्षा कोचिंग क्लास में विगत 6 माह से निरन्तर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने एवं जन सहयोग से स्वामी विवेकानन्द नि:शुल्क प्रतियोगिता परीक्षा पुस्तकालय जिले में स्थापित करने के लिये विषेष प्रयास के लिये सम्मानित किया गया। इसी तरह कार्यालय के श्री मालवीय द्वारा जिले में डिजिटल प्रदर्शनी एवं डिजिटल सूचना शिविर के माध्यम से शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया गया। इस नवाचार को ग्रामीणों ने प्रशंसा की एवं सराहा तथा फोटोग्राफर श्री श्रीकान्त माहेश्वरी को विभिन्न शासकीय आयोजनों एवं शासकीय कव्हरेज हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

वारदात

मुरली पाटीदार सहित 7 लोगों ने मिलकर गोपाल शर्मा नामक युवक को पीट-पीटकर मार दिया था।

गुरुनानक अस्पताल में हुए हत्याकांड के गवाह को धमकाया

उज्जैन। फ्रीगंज स्थित गुरुनानक अस्पताल में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या के मामले में मुख्य गवाह को मंगलवार को बाइक पर आए बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर राजीनामे के लिए धमकाया। इससे युवक को हार्ट अटैक आ गया। उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

देवासगेट पुलिस ने बताया कि 9 जुलाई 2016 को घासमंडी चौराहे स्थित गुरुनानक अस्पताल में डॉ. घनश्याम जेठवानी, बंटी, मुरली पाटीदार सहित 7 लोगों ने मिलकर गोपाल शर्मा नामक युवक को पीट-पीटकर मार दिया था। उयदसिंह राणा निवासी नागझिरी इस दौरान गंभीर रूप से घायल हो गया था। उदय इस मामले में मुख्य गवाह है। मंगलवार शाम को वह दोस्तों के साथ चामुंडा माता चौराहे के समीप स्थित बिजासन माता मंदिर के दर्शन के लिए गया था। इस दौरान शेरू खान नामक बदमाश अपने चार साथियों के साथ दो बाइक पर वहां पहुंचा और उदय को पिस्टल अयकार धमकाते हुए कहा कि राजीनामा नहीं किया तो गोली मार देंगे। इससे उदय को हार्ट अटैक आ गया। उसके दोस्तों ने तत्काल जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती करवाया। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में जूनियर-सीनियर में चाकू चले

उज्जैन। देवास रोड स्थित पॉलीटेक्नीक कॉलेज में मंगलवार को सामने बैठने की बात को लेकर जूनियर-सीनियर में विवाद के बाद जमकर चाकू चले। इसमें दो छात्र घायल हो गए। माधवनगर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि अमनसिंह पिता योगेंद्रसिंह निवासी महानंदानगर कॉलेज में सेकंड ईयर का छात्र है। मंगलवार को वह परीक्षा देने के लिए कॉलेज परिसर में गया था। इस दौरान उसके सीनियर रवि नवरिया, विनय डोर, तुषार राव, सागर वहां आए और कहा कि तुम यहां सीनियरों के सामने क्यों बैठे हो। इसको लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। परीक्षा देने के बाद चारों उसके पास पहुंचे और चाकू और पाइप से हमला कर दिया। वहीं दूसरी ओर से पुलिस ने प्रतीक पिता किशोर गायके निवासी मोती बंगला की शिकायत पर अमनसिंह व पीयूष के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कथा सुनने गईं दो महिलाओं के गले से सोने की चेन चोरी

उज्जैन। आगर रोड स्थित सामाजिक न्याय परिसर में आयोजित कथा सुनने गईं दो महिलाओं के गले से सोने की चेन चोरी हो गई। देवासगेट पुलिस चेन चोरी करने वाली महिलाओं की तलाश में जुटी है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सुगनदेवी पति कैलाशचंद्र सोनी निवासी अतिरिक्त विश्व बैंक कॉलोनी व प्रेमलता पति कुशलचंद्र जैन निवासी घासमंडी मंगलवार को आगर रोड स्थित सामाजिक न्याय परिसर में कथा सुनने के लिए गई थीं। इस दौरान अज्ञात महिला ने उनके गले से सोने की चेन चुरा ली। दोनों महिलाएं घर पहुंचीं तो घटना का पता चला। इसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई।

सात लाख की चोरी के मामले में दिल्ली गई जीआरपी

उज्जैन। बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस में इंदौर की महिला के 7 लाख रुपए के जेवर से भरा बैग अज्ञात बदमाश ने चोरी कर लिया था। मंगलवार को मामले में जीआरपी का दल दिल्ली व शाजापुर गया है। पुलिस को आशंका है कि सांसी गिरोह ने वारदात को अंजाम दिया है। जीआरपी ने बताया कि इंदौर के पलासिया निवासी महिला नेहा रविवार को बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस से शहडोल से उज्जैन आ रही थीं। रास्ते में अज्ञात बदमाश ने उनका बैग चुरा लिया। बैग में हीरे के कान के टॉप्स, हीरे की अंगूठी व सोने के जेवर थे, जिसकी कीमत करीब 7 लाख रुपए है। पुलिस को आशंका है कि सांसी गिरोह ने वारदात को अंजाम दिया है।

गेहूँ उपार्जन में गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें

श्री चौहान ने की खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गेहूँ उपार्जन में गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। इसके लिये कड़ा कानून बनाने का प्रस्ताव लायें। उन्होंने कहा कि गेहूँ उपार्जन के केन्द्र किसानों की सुविधा को ध्यान में रखकर बनाये जायें। मुख्यमंत्री मंत्रालय में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा कर रहे थे। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री ओमप्रकाश धुर्वे भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गेहूँ उपार्जन के केन्द्र दूरी को ध्यान में रखकर व्यावहारिक दृष्टि से उपयुक्त स्थानों पर ही नियत किये जायें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गेहूँ उपार्जन में अनियमितताएँ बरती हैं उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाये। इसके लिये शीघ्र कड़ा कानून प्रस्तावित किया जाये। खरीदी पारदर्शी व्यवस्था से की जाये तथा बारदाना आदि की पर्याप्त व्यवस्था हों। श्री चौहान ने कहा कि समर्थन मूल्य पर उपार्जन किये गये मक्का को केन्द्रीय पूल में लेने के लिये प्रधानमंत्री को पत्र लिखेंगे।

श्री चौहान ने कहा कि सस्ते राशन वितरण से कोई भी पात्र व्यक्ति छूटे नहीं। पात्रता परीक्षण का राज्यव्यापी अभियान चलाया जाये। जिला-स्तर, विकासखण्ड-स्तर और उचित मूल्य की दुकान स्तर पर निगरानी समितियों के गठन का कार्य शीघ्र पूरा किया जाये। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में शिथिलता बरतने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाये।

बैठक में प्रभारी मुख्य सचिव श्री ए.पी. श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री के.सी. गुप्ता, आयुक्त खाद्य श्री फैज अहमद किदवई तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश में कैशलेस ट्रांजेक्शन बढ़ाने के और प्रयास किये जायें

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में नगद रहित लेन-देन को बढ़ावा देने के लिये और उपाय किये जायें। उन्होंने कहा कि नगद रहित लेन-देन भ्रष्टाचार नियंत्रण का कारगर उपाय है। श्री चौहान मंत्रालय में कैशलेस ट्रांजेक्शन की समीक्षा कर रहे थे। बताया गया कि प्रदेश में राजस्व प्राप्तियों का 69 प्रतिशत भाग ई-भुगतान प्रणाली से प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कैशलेस ट्रांसजेक्शन के लिये किये गये उपायों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इसके प्रति आम आदमी को जागरूक बनाया जाये। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के लोक सेवा केन्द्रों में सेवा शुल्क की प्राप्ति शत-प्रतिशत नगद रहित होती है। इसी तरह प्रदेश की 257 कृषि उपज मंडियों में 95 प्रतिशत लेन-देन बैंकिंग चैनल के माध्यम से किया जा रहा है। किसानों को समर्थन मूल्य पर खरीदी का शत-प्रतिशत कैशलेस भुगतान किया जाता है। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शुल्क की प्राप्ति भी कैशलेस करने की व्यवस्था की जा रही है साथ ही नगरीय निकायों द्वारा भी शुल्क की प्राप्ति कैशलेस की जा रही है। यह व्यवस्था इन्दौर, भोपाल और बुरहानपुर नगर निगमों द्वारा शुरू भी कर दी गई है। प्रदेश में कैशलेस ट्रांजेक्टशन को प्रोत्साहित करने के लिये पीओएस मशीनों की खरीदी में वैट और प्रवेश कर की छूट दी गई है। सरकारी बैंकों द्वारा डिमांड ड्राफ्ट, आरटीजीएस, एनईएफटी पर देय शुल्क समाप्त किये गये हैं। साथ ही सहकार बटुआ का भी शुभारंभ किया गया है।

सुशासन की स्थापना के लिये जन-भागीदारी जरूरी

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का मुम्बई में 'सुशासन में जन-भागीदारी' विषय पर संबोधन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सुशासन की स्थापना जन-भागीदारी के बगैर सफल नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाएँ और पंचायतें सुशासन की सर्वश्रेष्ठ इकाइयाँ बनें और 'अपनी सरकार' का दर्जा व्यवहार में लागू हो। श्री चौहान आज मुम्बई में रामभाऊ म्हालगी प्रबोधनी कार्यक्रम में 'सुशासन में जन-भागीदारी' राष्ट्रीय परिषद-2017 को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़नवीस भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सुशासन में जनता का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि पंचायत राज प्रणाली का संस्थागत और समग्र विकास किया जाना चाहिये। उन्हें कानूनी और न्यायिक अधिकार मिलें, ताकि थानों और कचहरियों का बोझ घटे। उन्होंने कहा कि पंचायतों के सशक्त होने और संवैधानिक भूमिका निभाने से शासन और प्रशासन पर दबाव कम होगा और ग्रामीण क्षेत्र प्रशासनिक जटिलता की प्रक्रिया से मुक्त होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा? कि ग्राम सभा विधायिका का दायित्व निभाने लगे, तो स्थानीय विविधता और अस्मिता की रक्षा होगी। गाँव स्वावलंबी बनेंगे। उन्होंने कहा कि इससे लोगों में दायित्व का बोध होगा और उनके बीच व्याप्त उदासीनता समाप्त होगी। श्री चौहान ने कहा कि कृषि विकास की योजनाओं में भी किसानों की भागीदारी होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो परम्पराएँ चली आ रही हैं, उसमें योजनाएँ ऐसे लोग बनाते हैं, जो कभी न गाँव गये और न किसानों से मिले, उन्हें खेती-किसानी की भी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में इस परम्परा को समाप्त कर संबंधित वर्ग से संवाद कर योजनाएँ बनाने की शुरूआत की गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान को सफलता मिलने का राज ही यही है कि इसमें लोगों को भागीदार बनाया गया।

मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि बेटी के साथ भेदभाव से उन्हें काफी दुख होता था। हमने महिला पंचायत के जरिये महिलाओं से संवाद कर लाड़ली लक्ष्मी योजना बनायी है।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर कुलियों के लिये विश्राम-गृह बनेगा

भोपाल। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग ने भोपाल और हबीबगंज रेलवे स्टेशन को दिव्यांगों और वृद्धजनों के उपयोग के लिये व्हील-चेयर भेंट की। श्री सारंग ने इस मौके पर स्टेशन परिसर में कुलियों के लिये अपनी निधि से सर्व-सुविधायुक्त विश्राम-गृह बनवाने की घोषणा की। राज्य मंत्री श्री सारंग ने बताया कि उनके संज्ञान में यह बात आयी है कि भोपाल रेलवे स्टेशन पर व्हील-चेयर न होने से वृद्धजन और दिव्यांगों को परेशानी होती है। इसलिये रेलवे प्रशासन की मदद के लिये मैंने अपनी ओर से दो व्हील-चेयर भोपाल स्टेशन और एक व्हील-चेयर हबीबगंज रेलवे स्टेशन को देने का निर्णय लिया। श्री सारंग ने बताया कि भोपाल रेलवे स्टेशन पर कुलियों की सुविधा के लिये एक सर्व-सुविधायुक्त विश्राम-गृह भी बनाया जायेगा। उन्होंने कहा? कि इसके लिये वे अपनी निधि से राशि उपलब्ध करवायेंगे।

पहल | मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा राज्य स्तरीय नेतृत्व विकास शिविर का शुभारंभ

अजजा-अजा विद्यार्थियों को परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर बनाए जायेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अनुसूचित जाति-जनजाति के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं की प्रवेश परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग देने के लिए प्रदेश में कोचिंग सेंटर स्थापित किये जायेंगे। प्रदेश में स्थित अनुसूचित जाति-जनजाति के विद्यार्थियों के क्रीड़ा परिसरों में विशेष खेलों का चिन्हांकन कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण और खेल सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान न यहाँ अनुसूचित जाति-जनजाति के मेधावी विद्यार्थियों के लिए आयोजित राज्य स्तरीय नेतृत्व विकास शिविर के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री विदुषी योजना शुरू की जाएगी, जिसमें अनुसूचित जाति-जनजाति की अति पिछड़ी जातियों की 50 बालिकाओं का चयन कक्षा छह से किया जाएगा। इन बालिकाओं को निःशुल्क उच्च शिक्षा और सारी सुविधाएँ उपलब्ध करवायी जाएगी। वर्ष 2017-18 से राज्य स्तरीय नेतृत्वविकास शिविर में आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को भारत दर्शन करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो सबसे पिछड़े और गरीब हैं वे राज्य सरकार की प्राथमिकता में सबसे पहले हैं। राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति-जनजाति के विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए निःशुल्क किताबें, छात्रवृत्ति, निःशुल्क साईकिल, छात्रावास सहित सभी बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध करवायी हैं। इन वर्गों के विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत अंक लाने पर लेपटॉप तथा महाविद्यालय में प्रवेश लेने पर स्मार्ट फोन दिए जायेंगे। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से आई.आई.टी., आई.आई.एम, नेशनल लॉ कॉलेज और मेडिकल जैसी परीक्षाओं में चयन होने पर इन वर्गों के विद्यार्थियों की फीस राज्य सरकार भरेगी।

वर्तमान युग ज्ञानार्जन का

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों को कहा कि वर्तमान युग ज्ञानार्जन का युग है। ज्ञान के माध्यम से दुनिया को दिशा दी जा सकती है। उनके लिए ज्ञानार्जन सबसे महत्वपूर्ण कर्त्तव्य है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि मनुष्य के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। इसलिए अपनी क्षमताओं को पहचाने और सही दिशा में कोशिश करें। अभावों में संघर्ष करके आगे बढ़ने के कई उदाहरण जैसे अब्रहिम लिंकन से लेकर डॉ. अम्बेडकर तक हमारे सामने हैं। लक्ष्य के प्रति एकाग्र होकर ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। पढ़ाई के साथ-साथ बाकी गुणों का भी विकास करें। अच्छे आचरण से व्यक्तित्व विकास होता है। उन्होंने गीता का उदाहरण देते हुए कहा कि अन्याय के विरुद्ध लड़ना है। गलत बात का प्रतिकार करना चाहिए। अच्छा विचार आये तो उसे बताने में संकोच नहीं करें और इसे क्रियान्वित करें। दृढ़ निश्चय से काम करते हैं तो सफलता मिलती है। अच्छी पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लें। हर क्षेत्र में आगे आयें, नशे से दूर रहें। अपने क्षेत्र में नशामुक्ति के लिए जन-जागरण अभियान चलाएँ। उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार ने कहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति के विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए राज्य सरकार ने सभी संसाधन उपलब्ध करवाए हैं। इन वर्गों के विद्यार्थियों में आगे बढ़ने की प्रतिभा और क्षमता है। अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री श्री ज्ञान सिंह ने कहा कि इन वर्गों के विद्यार्थियों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व काम हुए हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति के 350 विद्यार्थियों का चयन आई.आई.टी, एन.आई.टी. और आई.आई.एम. जैसी संस्थाओं में हुआ है। राज्य सरकार इन वर्गों को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है।

मेधावी विद्यार्थी पुरस्कृत :

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मेधावी विद्यार्थियों को रानी दुर्गावती, शंकर शाह एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुरस्कार वितरित किए। विशेष पिछड़ी जातियों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में से तीन को प्रतीक स्वरूप मोबाईल टेब दिया गया।

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

विश्व का सबसे बड़ा नदी संरक्षण अभियान

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2017

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : 0755-4911102, 4911103, वेबसाइट : namamidevinarmade.mp.gov.in   Follow Chief Minister Madhya Pradesh /CMMadhyaPradesh /CMMadhyaPradesh /ChouhanShivrajSingh

D-80459

अगर आप भी आलू के चिप्स और फ्रेंच फ्राइज खाने के शौकीन हैं, तो आपको है ये खतरा

क्या आपको आलू या फ्रेंच फ्राइज खाना बेहद पसंद है? अगर हां, तो आपको हाई ब्लडप्रेशर का खतरा झेलना पड़ सकता है. एक शोध में यह बात सामने आई है कि दुनिया में सबसे ज्यादा खाए जाने वाले आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम होता है.

शोध से पता चला है कि जिन लोगों ने उबले हुए, बेक्ड या मसले हुए आलूओं को हफ्ते में चार या इससे ज्यादा बार खाया है उनमें हाई ब्लडप्रेशर का खतरा 11 प्रतिशत बढ़ गया है. शोध में यह बात भी सामने आई है कि फ्रेंच फ्राइज का ज्यादा सेवन पुरुषों और महिलाओं दोनों में हाई ब्लडप्रेशर के खतरे को 17 फीसदी बढ़ा सकता है. इतना ही नहीं, आलू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स दूसरी सब्जियों की तुलना में ज्यादा होता है. इसलिए यह ब्लड शुगर के स्तर को भी तेजी से बढ़ा सकता है.

अमेरिका के ब्रिघम एंड विमेन हॉस्पिटल के डॉक्टर और प्रमुख शोधकर्ता लिया बोर्गी ने कहा, 'अध्ययन में जिन प्रतिभागियों का हाई ब्लडप्रेशर बेसलाइन पर नहीं था और उन्होंने (उबले हुए, बेक्ड या मसले हुए) आलूओं का सेवन हफ्ते में चार या इससे ज्यादा बार किया, उनके हाई ब्लडप्रेशर से पीड़ित होने का खतरा उन लोगों की तुलना में ज्यादा पाया गया जिन्होंने इसका सेवन महीने में एक बार या उससे कम किया.'

सावधान! दमा पीड़ित बच्चों को हो सकती हैं ये बीमारियां...

यदि आपका बच्चा दमा से पीड़ित है, तो उसके बचपन या किशोरावस्था के बाद मोटापे के शिकार होने की संभावना ज्यादा है. शोध के निष्कर्षों से पता चला है कि सामान्य बच्चे की तुलना में दमा से पीड़ित छोटे बच्चों में अगले एक दशक में मोटापे के शिकार होने की संभावना 51 फीसद ज्यादा है.

अमेरिका के दक्षिणी कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर फैंक डी गिलीलैंड ने कहा, 'जल्दी रोग की पहचान और इलाज से बचपन की मोटापे की महामारी को रोका जा सकता है. हालांकि शोधकर्ता साफ नहीं कर सके कि दमा पीड़ित बच्चों में ज्यादा मोटापे का खतरा रहता है या मोटापे के शिकार बच्चों में दमा के विकास का खतरा रहता है या दोनों बातें हैं.

दमा पीड़ित बच्चों में मोटापे के शिकार होने की ज्यादा संभावना के एक कारण में श्वास संबंधी दिक्कतों की वजह से ऐसे लोगों के खेल और व्यायाम में कमी होना है. गिलीलैंड ने कहा कि इसके अलावा अस्थमा के दवाओं का प्रभाव भी वजन पर पड़ता है. अस्थमा और मोटापे से दूसरी बीमारियां भी पैदा होती हैं. इसमें पूर्व-मधुमेह और बाद में टाइप टू मधुमेह की बीमारियां शामिल हैं. गिलीलैंड ने कहा कि शोध में यह भी सुझाव दिया गया है कि दमा इनहेलर से मोटापे को रोकने में मदद मिलती है.

शोध के लिए दल ने 2171 किंडरगार्डन और पहली कक्षा के छात्रों के रिकॉर्ड का अध्ययन किया. इसमें 13.5 फीसदी बच्चों को दमा था. लेकिन ये मोटापे के शिकार नहीं थे. इस शोध का प्रकाशन 'अमेरिकन जर्नल ऑफ रिस्पाइरेटी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन में हुआ है.

लाल मिर्च खाने से बढ़ती है उम्र, जानें कैसे...

अगर आपको लाल मिर्च खाना पसंद है तो दिल खोलकर और बेहिचक खायें. क्योंकि इससे आपकी उम्र बढ़ जाएगी. जी हां, हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है कि जो लोग ज्यादा मिर्च या मसालेदार खाना खाते हैं, उनमें हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है.

यह खुलासा यूनिवर्सिटी ऑफ वरमॉन्ट के लरनर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में किया गया है.

अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार लाल मिर्च खाने वाले लोगों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक की वजह से होने वाली मौत का खतरा 13 फीसदी कम हो जाता है.

बता दें कि पुराने जमाने में मिर्च और कई दूसरे मसालों का इस्तेमाल दवाओं के निर्माण में किया जाता था. साल 2015 में चीन में हुए एक ऐसे ही अध्ययन में कहा गया था कि मिर्च व्यक्ति का बचाव कई रोगों से कर सकती है. चीन में लाल मिर्च खाने की प्रथा भी है.

हालांकि शोधकर्ता लाल मिर्च में पाए जाने वाले उस तत्व (जिससे हार्ट अटैक का खतरा कम होता है) का पूरी तरह पता नहीं लगा पाए हैं, पर एक अंदाजा है कि मिर्च में पाया जाने वाले कैपसेसिन नाम के तत्व का इससे रिश्ता है.

अदरक की चाय ही नहीं, अदरक का पानी भी है गुणकारी

अदरक का इस्तेमाल हम सभी अपने-अपने घरों में करते हैं. कुछ लोग इसका इस्तेमाल मसाले के तौर पर करते हैं तो कुछ गार्निशिंग के लिए. इसके अरोमा और फ्लेवर से खाने का स्वाद बढ़ जाता है.

साथ ही ये जलनरोधी, एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल खूबियों से भी भरपूर होता है. इसकी वजह से ये एक हेल्थ टिश्यू को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है. अदरक को कई तरह से खाया जा सकता है लेकिन चाय में इसका इस्तेमाल करना काफी फायदेमंद होता है.

लेकिन अदरक की चाय के साथ-साथ अदरक का पानी भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है.

1. पाचन में मददगार: अदरक वाला पानी शरीर में डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाता है. इसके सेवन से पाचन क्रिया में सुधार आता है और खाना आसानी से पच जाता है.

2. त्वचा संबंधी रोगों को दूर रखता है: अदरक का पानी पीने से खून साफ होता है और स्किन ग्लो करती है. ये पिंपल्स और स्किन इंफेक्शन के खतरे को भी दूर करता है.

3. मधुमेह को कंट्रोल करता है: अदरक का पानी डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसके नियमित सेवन से रीर का ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है. इतना ही नहीं इससे आम लोगों में डायबिटीज होने का खतरा भी कम होता है.

4. दर्द से राहत: अदरक का पानी नियमित रुप से पीने से ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है और मसल्स में होने वाले दर्द से राहत मिलती है. साथ ही सिर दर्द में भी ये बहुत फायदेमंद होता है.

5. वजन कंट्रोल में रखता है: अदरक के पानी से शरीर का मेटाबॉलिज्म ठीक रहता है।

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

फुटवेयर टेक्नोलॉजी बना हॉट करियर, जानिए क्या हैं संभावनाएं

अगर आप किसी के फैशन सेंस को सिर्फ उसके ड्रेसिंग स्टाइल से जज करते हैं, तो आपको अपना नजरिया बदलने की जरूरत है क्योंकि एक्सेसरीज के बिना स्टाइलिंग पूरी नहीं होती। अब तो फुटवियर भी सिर्फ आराम के लिए ही नहीं, बल्कि फैशन एक्सेसरीज के तौर पर इस्तेमाल किए जाते हैं। इससे इंडस्ट्री में नई कंपनियों के लिए जगह तैयार हुई है। साथ ही युवाओं को भी नए अवसर मिलने की संभावना बनने लगी है। आप भी फुटवियर टेक्नोलॉजी में करियर बनाकर हर दिन कुछ नया करने का मौका तलाश सकते हैं।

हाईटेक डिजाइनिंग

फुटवियर टेक्नोलॉजी में मार्केट की डिमांड और पॉपुलर डिजाइन्स को ध्यान में रखते हुए फुटवियर की नई डिजाइंस तैयार की जाती हैं। कई इंडस्ट्रीज अपने क्लाइंट्स के लिए फुटवियर कलेक्शंस भी तैयार करती हैं। यह

काम कम्प्यूटर एडेड डिजाइन द्वारा किया जाता है। डिजाइनर्स हाईटेक लैबोरेट्रीज और मशीन्स की मदद से यह काम करते हैं।

जरूरी कोर्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स या बायोलॉजी सब्जेक्ट्स होने जरूरी हैं। इसके बाद आप लेदर डिजाइन में बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन फुटवियर डिजाइनिंग एंड प्रोडक्शन, बीटेक इन फुटवियर टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन फुटवियर टेक्नोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन शू डिजाइनिंग एंड पैटर्न कटिंग, सर्टिफिकेट कोर्स इन फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन, डिप्लोमा इन लेदर गुड्स

एंड एक्सेसरीज डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं बैचलर्स करने के बाद आप मास्टर्स इन फुटवियर टेक्नोलॉजी भी कर सकते हैं।

भविष्य की संभावनाएं

ज्यादातर ग्रेजुएट्स डिजाइन असिस्टेंट्स के तौर पर इस फील्ड में प्रवेश करते हैं। आप किसी भी बड़ी कंपनी के साथ इंटर्नशिप करके अपना करियर शुरू कर सकते हैं। अनुभव प्राप्त होने के बाद आप चाहें तो फ्रीलांसिंग भी करके अपने क्लाइंट्स के लिए डिजाइन तैयार कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

इस फील्ड के प्रोफेशनल्स को रिसर्च एंड डेवलपमेंट, डिजाइन, मेन्यूफैक्चरिंग ऑपरेशंस, सेल्स एंड मार्केटिंग, रिटेल एंड होलसेल, क्वॉलिटी कंट्रोल और मैनेजमेंट जैसे डिपार्टमेंट्स में काम करना होता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट से जुड़े प्रोफेशनल्स अलग-अलग तरह के फुटवियर की डिजाइंस पर रिसर्च करते हैं और उनकी रिसर्च के आधार पर ही डिजाइनर्स डिजाइन तैयार करते हैं। इसके फाइनल होने के बाद प्रोडक्शन का काम शुरू होता है, जिसके बाद क्वॉलिटी चेकिंग होती है। इस तरह हर स्तर के लिए एक ट्रेंड और स्किल्ड प्रोफेशनल से काम लिया जाता है।

चाहिए ये स्किल्स

एक फुटवियर डिजाइनर में आने वाले ट्रेंड को पहचानने की क्षमता और फैशन की समझ होनी चाहिए। उसके अंदर

अपने आइडियाज को पेपर पर ड्रॉ करने की क्षमता भी होनी चाहिए। साथ ही यह भी अपेक्षित होता है कि उसमें सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स मौजूद हों।

सैलरी कितनी?

इस फील्ड में शुरुआत में आपको 15-20 हजार रुपए की सैलरी मिलेगी, जो अनुभव के साथ बढ़ेगी। एक अनुभवी प्रोफेशनल को 10-12 लाख या उससे अधिक का भी पैकेज मिल सकता है। फ्रीलांस प्रोफेशनल्स की आय

उनकी क्षमता पर निर्भर करती है।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी

फुटवेयर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट

सेंट्रल फुटवेयर ट्रेनिंग सेंटर

इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंट लेदर वर्किंग स्कूल, मुंबई

मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

फिजिक्स में है रूचि तो इस हाइटेक फील्ड में बनाएं करियर

लईडी बल्ब्स, स्कैनर्स, लेजर्स जैसे युग में जब हम इन सभी उपकरणों का नियमित उपयोग कर रहे तब भी फोटॉनिक्स की फील्ड में स्पेशलाइज्ड कैंडिडेट्स कम हैं। फोटॉनिक्स आज के समय में दुनिया के सबसे तेज हाई-टेक इंडस्ट्रीज में से एक है। अगर आपकी रूचि फिजिक्स जैसे विषय में है तो यह आपके लिए रिवॉर्डिंग करियर साबित हो सकता है। वर्तमान समय में फोटॉनिक्स टेलीकम्यूनिकेशन, कंप्यूटिंग, सिक्योरिटी जैसी फील्ड में फंडामेंटल टेक्नोलॉजी बन गई है। इस टेक्नोलॉजी की डिमांड इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि यह ज्यादा इफेक्टिव और हाई स्पीड के साथ काम करता है। रिसर्च और कमर्शियल डेवलपमेंट दोनों ही फील्ड्स में फोटॉनिक्स का महत्वपूर्ण रोल होता है। अगर आप भी फिजिक्स से संबंधित फील्ड में रूचि रखते हैं तो फोटॉनिक्स को अपना करियर ऑप्शन कंसीडर कर सकते हैं।

फोटॉनिक्स क्या है?

फोटॉनिक्स फिजिक्स का डिसिप्लिन है जो फोटॉन्स की स्टडी, प्राइमरी पार्टिकल ऑफ लाइट, इंफॉर्मेशन को कन्वे और ऑब्टेन करने के प्रॉसेस के साथ डील करता है। यह साइंस की टेक्नीक है जिसमें आप लाइट के एमिशन, डिटेक्शन, ट्रांसमिशन और मॉड्यूलेशन की टेक्नीक्स को मास्टर करना सीखते हैं।

फोटॉनिक्स में करियर कैसे बनाया जा सकता है?

फोटॉनिक्स में ग्रेजुएशन करने के लिए आपका फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमैटिक्स में 55 परसेंट मार्क्स से 12वीं पास होना जरूरी है। फोटॉनिक्स इंडस्ट्री बहुत तेजी से ग्रो कर रही है और इसलिए इस फील्ड में क्वॉलिफाइड प्रोफेशनल्स की रिक्वॉयरमेंट है। लेकिन कोर्सेज कम होने की वजह से इस कोर्स की लोगों के बीच ज्यादा अवेयरनेस नहीं है।

क्या फोटॉनिक्स में मास्टर्स कोर्सेज भी अवेलेबल हैं?

जिन कैंडिडेट्स के पास फोटॉनिक्स के अलावा अप्लाइड फिजिक्स और मैथमैटिक्स या अप्लाइड फिजिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स में बैचलर डिग्री ली है वह फोटॉनिक्स या ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स में एमएससी पर्स्यु कर सकते हैं। फोटॉनिक्स में एमटेक भी किया जा सकता है।

इस फील्ड के जॉब प्रॉस्पेक्ट्स कैसे हैं?

इस फील्ड में करियर ऑप्शंस अनलिमिटेड हैं। यह फील्ड साइंस और टेक्नोलॉजी का लगभग हर एरिया कवर करता है। इसमें एनर्जी जनरेशन से लेकर मैन्यूफैक्चरिंग, हेल्थ केयर और इंफॉर्मेशन प्रॉसेसिंग सब इंक्लूड होता है। कैंडिडेट्स टेलीकम्यूनिकेशन कंपनीज, रिसर्च एंड डेवलपमेंट कंपनीज में ईजिली जॉब गेन कर सकते हैं।

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए कौन सी स्किल्स जरूरी होती हैं?

- साइंस के बारे में नई चीजें सीखने और समझने का पैशन।
- हर डीटेल को स्टडी करने की हैबिट।
- साइंस-सेंटर्ड प्रश्नों को सॉल्व करने की क्यूरिओसिटी।
- फिजिक्स और मैथमैटिक्स में अच्छी कमांड।
- आउट ऑफ द बॉक्स थिंकिंग।

PRACHI MATHS & SCIENCE TUTORIALS
(Exclusive Tutorial for CBSE / ICSE) (VII-VIII- IX-X)
MATHS BY *PRACHI HUNDAL* MADAM
(Teaching Exp. 24 Years)
SCIENCE BY SENIOR FACULTIES
(Seperate Batch for CBSE & ICSE) USP ARE
★ For Personal attention
Small Batch Size (15 to 20 Students)
★ Homely Atmosphere
Excellent Previous Result
REGISTRATION OPEN
FOR 2017 SESSION Register today
& April early bird discount
Cont.- Mob.-9406542737, 9424312779
9B, SAKET NAGAR NEAR SPS. BEHIND BSNL OFFICE

जब नारद जी ने पूछा, और श्रीहरि ने बताया, 'कर्म बड़ा या भाग्य !'

इस दुनिया में कर्म को मानने वाले लोग कहते हैं भाग्य कुछ नहीं होता। और भाग्यवादी लोग कहते हैं किस्मत में जो कुछ लिखा होगा वही होके रहेगा। यानी इंसान कर्म और भाग्य इन दो बिंदुओं की धूरी पर घूमता रहता है। और एक दिन इस जग को अलविदा कहकर चला जाता है।

भाग्य और कर्म को बेहतर से समझने के लिए पुराणों में एक कहानी का उल्लेख मिलता है। एक बार देवर्षि नारद जी वैकुंठधाम गए, वहां उन्होंने भगवान विष्णु का नमन किया। नारद जी ने श्रीहरि से कहा, 'प्रभु! पृथ्वी पर अब आपका प्रभाव कम हो रहा है। धर्म पर चलने वालों को कोई अच्छा फल नहीं मिल रहा, जो पाप कर रहे हैं उनका भला हो रहा है।'

तब श्रीहरि ने कहा, 'ऐसा नहीं है देवर्षि, जो भी हो रहा है सब नियति के जरिए हो रहा है।'

नारद बोले, मैं तो देखकर आ रहा हूं, पापियों को अच्छा फल मिल रहा है और भला करने वाले, धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों को बुरा फल मिल रहा है।

भगवान ने कहा, कोई ऐसी घटना बताओ। नारद ने कहा अभी मैं एक जंगल से आ रहा हूं, वहां एक गाय दलदल में फंसी हुई थी। कोई उसे बचाने वाला नहीं था। तभी एक चोर उधर से गुजरा, गाय को फंसा हुआ देखकर भी नहीं रुका, वह उस पर पैर रखकर दलदल लांघकर निकल गया। आगे जाकर चोर को सोने की मोहरों से भरी एक थैली मिली।

थोड़ी देर बाद वहां से एक वृद्ध साधु गुजरा। उसने उस गाय को बचाने की पूरी कोशिश की। पूरे शरीर का जोर लगाकर उस गाय को बचा लिया लेकिन मैंने देखा कि गाय को दलदल से निकालने के बाद वह साधु आगे गया तो एक गड्ढे में गिर गया। प्रभु! बताइए यह कौन सा न्याय है?

नारद जी की बात सुन लेने के बाद प्रभु बोले, 'यह सही ही हुआ। जो चोर गाय पर पैर रखकर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ मोहरें ही मिलीं।'

वहीं, उस साधु को गड्ढे में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उसके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय के बचाने के कारण उसके पुण्य बढ़ गए और उसे मृत्यु एक छोटी सी चोट में बदल गई। इंसान के कर्म से उसका भाग्य तय होता है।

संक्षेप में

इंसान को कर्म करते रहना चाहिए, क्योंकि कर्म से भाग्य बदला जा सकता है।

नियमों में बांधने से रिश्ते नहीं चलते

जब आप अपने साथी के लिए बहुत कडे नियम बनाते हैं तो उसका दम घुटने लगता है। आपको उसे पर्याप्त आजादी देना चाहिए ताकि वह अपने मन का कर सके। रिश्ते की मजबूती के लिए यह जरूरी है।

हम रिश्तों को जीवित कैसे रखते हैं? इसके लिए पहले तो हमें रिश्ते को हरा-भरा रखने की जिम्मेदारी उठानी होगी। किसी भी तरह की जिम्मेदारी को बोझ की तरह न देखें। कई लोग जिम्मेदारी को बोझ मानकर चलते हैं।

जिम्मेदारी तो आपका चुनाव है। जब आप इसे चुनते हैं तो आजादी के साथ आप इसे स्वीकार करते हैं। जब व्यक्ति अपनी इस जिम्मेदारी से घबराता नहीं है तो वह सहज रहता है।

रिश्ता तब बहुत ही खूबसूरत रहता है जब आप सहज रहते हैं और अपने जीवनसाथी को भी सहज रहने में मदद करते हैं। क्या सहज होना ही किसी रिश्ते के लिए काफी है या कुछ और भी चीजें हैं? सहज अवस्था किसी भी रिश्ते के लिए आधार है। इसके बाद जो अगला कदम है वह है एकदूसरे पर निर्भर नहीं होना।

कोई भी रिश्ता किसी भी निर्भर या पूरी तरह मुक्त नहीं होना चाहिए बल्कि उसमें एकदूसरे का साथ होना चाहिए। जब आप किसी पर ज्यादा निर्भर हो जाते हैं तो वह व्यक्ति बोझ तले दब जाता है। तब एक व्यक्ति दूसरे की ऊर्जा सोखने लगता है। तभी यह भी होता है उस व्यक्ति की ऊर्जा खत्म होने लगती है। कोई भी ऐसा व्यक्ति किसी रिश्ते को मन से नहीं निभाता है।

अगर किसी रिश्ते में रहने वाले दो लोग आजाद रहते हैं तो वे रेल की ऐसी पटरियों की तरह चलते हैं जो कहीं भी नहीं मिलती। तो रिश्ता ऐसा होना चाहिए कि आप एकदूसरे के साथ चीजों को साझा कर सकें। यह मांग नहीं हो लेकिन एकदूसरे का ख्याल रखने जैसा हो।

किसी भी रिश्ते में समझबूझ का भी अहम रोल है। अगर आप अपने रिश्ते में तर्क से चलने लगते हैं तो आपके बीच झगड़े होंगे और तब आप नियम बनाएंगे जिनका पालन करना दूसरे व्यक्ति के लिए मुश्किल हो जाएगा। जब आप दूसरों के लिए सख्त नियम बनाएंगे तो आपके साथी का उसमें दम घुटने लगेगा और यह रिश्ते के लिहाज से अच्छा नहीं होगा।

बहुत छोटी-छोटी बातों पर आप चाहते हैं कि चीजें आपके मन के अनुरूप हो लेकिन यह कोई जरूरी नहीं है। तो आप अपने साथी से इस बारे में बात कीजिए लेकिन उससे झगड़ा मत कीजिए। चीजों को बहुत ही सामान्य ढंग की बातचीत के साथ आगे बढ़ाइए। अगर आप दोनों किसी रिश्ते में बंधे हैं तो आपको एकदूसरे के साथ ज्यादा समय बिताने के बजाय अच्छा समय बिताने के बारे में सोचना चाहिए। दोनों में बहुत अंतर है। जब आप एक साथ बैठकर डिनर करते हैं और अपनी खुशी और मुश्किलों को साझा करते हैं तो रिश्ता मजबूत होता है। पूरा दिन साथ बिताने के बजाय यह बातचीत ज्यादा असर करती है। इसी तरह किसी भी रिश्ते में एकदूसरे की तारीफ करना भी जरूरी है ताकि आपका साथी यह माने कि आपकी नजर में उसकी कुछ कीमत है। जब आप उसकी छोटी-छोटी कामयाबी के लिए उसकी तारीफ करेंगे तो वह निश्चित ही उत्साहित महसूस करेगा। आपको उसके प्रति प्रेम दर्शान की जरूरत है जो फूलों और छोटे-मोटे गिफ्ट्स के जरिए भी जताया जा सकता है। जताना बहुत जरूरी है ताकि उसकी ऊष्मा महसूस हो सके। प्रेम को जितना मन में रखना जरूरी है उतना ही उसे व्यक्त करना भी जरूरी है।

कौआ एक पक्षी है, इसे हानिकारक न बनाएं

हाल ही में इस तरह की खबर आई कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कौवों की वजह से परेशान हैं। इससे पहले, सिद्धारमैया ने अपनी सरकारी कार उस वक्त बेच दी थी, जब उस पर एक कौवा आकर बैठ गया था। घटना बीते साल की है।

दरअसल, ये एक ऐसी घटना थी, जो भारतीय रीति-रिवाजों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है? वैसे यह वही कौआ है जिसे श्राद्ध पक्ष में देवदूत माना जाता है। हिंदू पौराणिक ग्रंथों के मतानुसार कौआ देवदूत कहलाता है। इसलिए श्राद्ध पक्ष में कौए को भोजन करवाया जाता है। ताकि उसके द्वारा ग्रहण किया गया भोजन पूर्वजों की आत्मा को तृप्त कर सके। गोस्वामी तुलसीदास जी रचित श्रीरामचरितमानस के उत्तरकाण्ड में काकभुशुण्डि का उल्लेख मिलता है, वह भी कौए का ही एक रूप थे। वह काफी विद्वान माने गये हैं। उन्होंने श्रीरामकथा का वाचन किया था। इसके अलावा शनिदेव के वाहन के रूप में भी कौआ सुशोभित है।

कौए से जुड़ी तमाम मान्यताओं में एक मान्यता यह भी है कि वह जिस घर की मुंडेर पर बोलता है। उस घर में अतिथि का आगमन होता है। लेकिन वहीं यह अंधविश्वास भी है कि यदि कौआ किसी के सिर पर बैठ जाए तो उस व्यक्ति की मृत्यु जल्द हो जाती है। विचार करने वाली बात यह है कि जिस पक्षी को पुराणों में देवदूत, देवतुल्य स्थान दिया गया है। वह किसी के अहित का कारण क्यों बनेगा। कौआ काले रंग का एक पक्षी है। राजस्थानी भाषा में इसे 'कागला' तथा मारवाड़ी में 'हाडा' कहा जाता है। कौवे में इतनी विविधता पाई जाती है कि इस पर एक 'कागशास्त्र' की भी रचना की गई है।

देवी-देवताओं से इसलिए हार जाते थे दैत्य

अहंकार जिसे अंग्रेजी में ईगो भी कहते हैं। यह मुख्य वजह थी, पौराणिक समय में देवताओं से दैत्यों के हारने की। ऐसी कई हिंदू पौराणिक कहानियां हम अमूमन पढ़ते है। जिसमें दैत्य कठिन तप करते हैं। उन्हें ब्रह्माजी और शंकर जी वरदान स्वरुप कई शक्तियां देते हैं। और इस तरह शक्तियां पाकर वह स्वयं को ईश्वर घोषित करते हैं। और वास्तविक ईश्वर की चुनौती देते हैं। वह लोगों पर अत्याचार करते थे। और जब अत्याचार की अति हो जाती तो ईश्वर कभी मानव रूप में तो कभी दिव्य रूप में स्वयं आकर इन अहंकारी दैत्यों का अंत करते थे।

पौराणिक कथाओं में ऐसी कई कहानियां हैं जो इस बात की ओर इंगित करती है कि अहंकार इंसान के अस्तिव को भी नष्ट कर सकता है। आधुनिक संदर्भ में यह बात एक तरह से सीख लेने की है।

वैसे पौराणिक कहानियों के खलनायक जैसे मधु-कैटभ, हिरण्याक्ष-हिरण्याकश्यपु, रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद, राजा बालि दैत्य कुल में जन्में ऐसे कई पात्र हैं। जिनका अंत अहंकार के कारण ही हुआ था।

आखिर इंसान क्रोध में क्यों चीखते-चिल्लाते हैं?

एक सिद्ध बौद्ध भिक्षु अपने शिष्यों के साथ नगर भ्रमण पर निकले। उन्होंने देखा कि वहां एक ही परिवार के कुछ लोग आपस में बात करते हुए एक दूसरे पर क्रोधित हो रहे थे। यह दृश्य देखकर एक शिष्य से रहा नहीं गया। उसने तुरंत बौद्ध भिक्षु से पूछा क्रोध में लोग एक दूसरे पर चिल्लाते क्यों हैं? शिष्य कुछ देर सोचते रहे, तभी एक शिष्य ने उत्तर दिया क्योंकि हम क्रोध में शांति खो देते हैं । पर जब दूसरा व्यक्ति हमारे सामने ही खड़ा है तो भला उस पर चिल्लाने की क्या जरूरत है। जो कहना है वो आप धीमी आवाज में भी तो कह सकते हैं। बौद्ध भिक्षु ने फिर से प्रश्न किया तब कुछ और शिष्यों ने भी अपने-अपने विवेक से उत्तर देने का प्रयास किया पर इस जवाब से लोग संतुष्ट नहीं हुए। तब बौद्ध भिक्षु ने समझाया कि जब दो लोग आपस में नाराज होते हैं तो उनके दिल एक दूसरे से बहुत दूर हो जाते हैं ऐसी परिस्थिति में वह एक दूसरे पर बिना चिल्लाए बात नहीं सुन सकते उनको क्रोध आएगा और उनके बीच की दूरी उतनी ही अधिक हो जाएगी इसलिए वह तेजी से चीखते चिल्लाते हैं।

संक्षेप में: जब दो लोग प्रेम में होते हैं तब वे चिल्लाते नहीं बल्कि धीरे-धीरे बात करते हैं, क्योंकि उनके दिल करीब होते हैं, उनके बीच की दूरी नाम मात्र की रह जाती है। और जब वे एक दूसरे को हद से भी अधिक चाहने लगते हैं तो वे बोलते भी नहीं, वे सिर्फ एक दूसरे की तरफ एक टक देखते रहते हैं।

फिल्म समीक्षा : काबिल

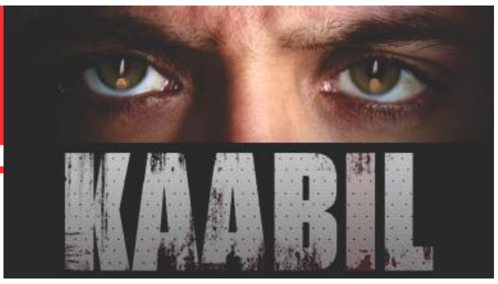

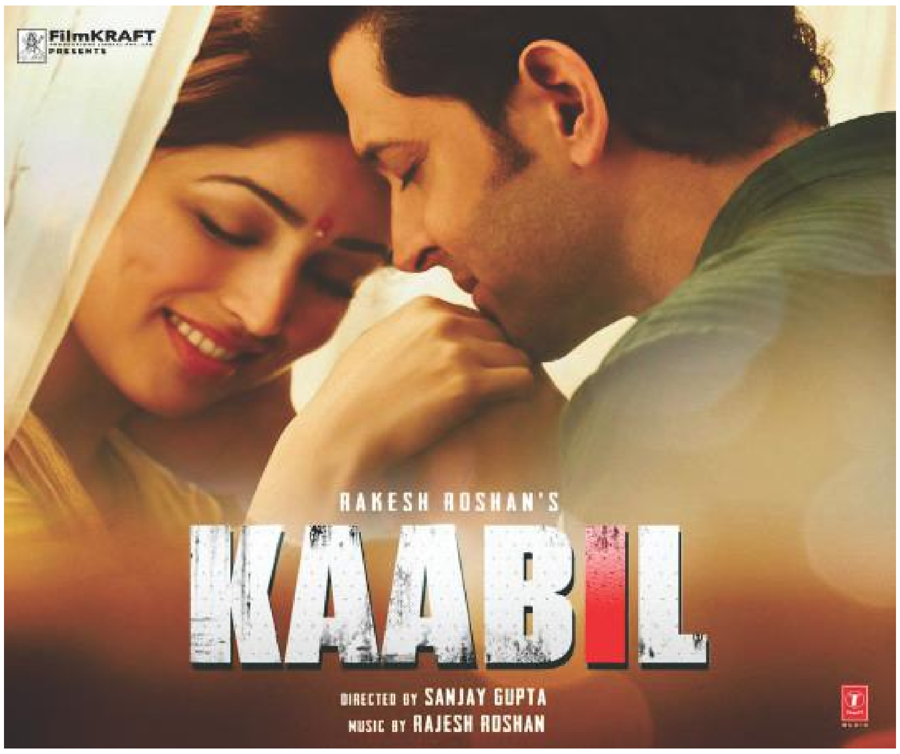

भोपाल, अजय सिसौदिया (फिल्म समीक्षक)

साल 2017 की दो बड़ी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं. एकतरफ जहां सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' है तो दूसरी तरफ ऋतिक रोशन की फिल्म 'काबिल'. माना जा रहा है कि बॉक्स ऑफिस पर दोनों ही फिल्में एकदूसरे को कड़ी टक्कर देंगे. ऐसे में फैंस के लिए यह तय कर पाना बेहद मुश्किल हो रहा है कि वे शाहरुख की फिल्म 'रईस' देखें या ऋतिक की 'काबिल'. आइये इसमें हम आपकी कुछ मदद करते हैं और बताते हैं कि हमारी नज़र में कैसी है 'काबिल'।

'काबिल' देखते समय कत्ल (1986), आखिरी रास्ता (1986) और गजनी (2008) जैसी फिल्मों की याद आती है। कत्ल में एक दृष्टिहीन अपनी बेवफा पत्नी और उसके प्रेमी से बदला लेता है। आखिरी रास्ता का हीरो अपनी पत्नी से अपनी पत्नी से बलात्कार करने वालों की हत्या अलग-अलग तरीकों से करता है। गजनी भी बदले पर आधारित फिल्म थी जिसमें ट्वीस्ट ये था कि हीरो आखिरी पन्द्रह मिनट की बातें ही याद रख पाता है, यहां हीरो दृष्टिहीन है, इन फिल्मों में मनोरंजन था, थ्रिल था, लेकिन 'काबिल' में थ्रिल का आभाव है। गौरतलब है की रितिक की पिछली फिल्म 'मोहनजोदारो' सुपरफ्लॉप थी।

यह प्रेम, रेप और बदले की कहानी है। नायक-नायिका नेत्रहीन हैं। उनके प्यार और शादी के बाद खलनायक (रोहित रॉय) की एंट्री होती है, जो स्थानीय कारपोरेटर (रोनित रॉय) का लाड़ला भाई है। वह और उसका एक दोस्त नायिका का दो बार रेप करते हैं। वह आत्महत्या कर लेती है। खलनायक के बाद कानून का सताया नायक खुद बदला लेने निकल पड़ता है। वह अपराधियों को एक-एक कर ठिकाने लगाता है। पुलिस कुछ नहीं कर पाती। मामला इतना फिल्मी हो जाता है कि टीवी के क्राइम धारावाहिकों के नजदीक जा पहुंचता है! हीरो के बदला लेने का अंदाज न असर छोड़ता है और न विश्वसनीय लगता है। यामी गौतम ने ऋतिक का अच्छा साथ निभाया, परंतु बदलापुर और सनम रे की तरह उनका किरदार यहां भी बीच फिल्म में मृत्यु को प्राप्त होता है। प्यार-रोमांस और गीत-संगीत आकर्षक नहीं हैं। उर्वशी रौतेला पर आइटम डांस बिना कलात्मकता के चलताऊ वीडियो एलबम जैसा शूट किया गया है। काबिल न तो रोमांटिक है, न आपराधिक और न बदले का थ्रिल इसमें है। कुल मिलाकर जो बनता है, वह दर्शक के एंटरटेन होने के काबिल नहीं रहता।

फिल्म का मजबूत पक्ष रितिक रोशन और रोनित रॉय की एक्टिंग है। ऋतिक रोशन की एक्टिंग के दर्शक कायल हो जाएंगे और उन्हें सलाम करते हुए बाहर आएंगे। काबिल' के लिए रितिक सबसे काबिल हैं। उन्होंने बेहतरीन अभिनय किया है। एक प्रेमी के तौर पर वह जितने सौम्य हैं, बदला लेते वक्त उतने ही खतरनाक किलिंग मशीन। रितिक ने इतनी दमदार एक्टिंग की है कि रेटिंग में आधा स्टार उनके नाम से ही होना चाहिए। कुल मिलाकर यह एक ठीक ठाक फिल्म है। जिसको अगर कोई काम न हो तो एक बार देखा जा सकता है। मैं इस फिल्म को 5 में से 2.5 स्टार देता हूँ।

संन्यास के बाद अभिनव बिंद्रा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। सरकार ने 2016 के रियो ओलिंपिक के लिए जिस टार्गेट ओलिंपिक पोडियम (टॉप) समिति का गठन किया था उसका अब पुनर्गठन किया गया है और ओलिंपिक से संन्यास ले चुके स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को इसका अध्यक्ष बनाया गया है।

केंद्रीय खेल मंत्री विजय गोयल ने ''टारगेट ओलिंपिक पोडियम'' (टीओपी) समिति का पुनर्गठन किया है। इसका उद्देश्य ऐसे एथलीटों की पहचान करना और उनका समर्थन करना है जिनकी 2020 और 2024 ओलिंपिक खेलों में पदक जीतने की संभावना है। समिति पदक जीतने की संभावना रखने वाले एथलीटों का चयन करेगी जिन्हें प्रशिक्षण देने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। इन एथलीटों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस संस्थानों में प्रशिक्षित किया जाएगा।

गोयल ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि समिति चयन प्रक्रिया खुद तय करेगी और आवश्यकतानुसार विशेषज्ञों को आमंत्रित करेगी जो चयन में उसकी सहायता करेंगे। समिति का आरंभिक कार्यकाल अधिसूचना की तारीख से एक वर्ष का होगा। देश के एकमात्र ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता और रियो ओलंपिक के बाद संन्यास लेने वाले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को इसका अध्यक्ष बनाया गया है।

इसके अन्य सदस्यों में पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण, उडनपरी पीटी उषा, ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता कर्णम मल्लेश्वरी और महिला निशानेबाज अंजलि भागवत शामिल हैं। समिति के अन्य सदस्यों में खेल प्रशासक अनिल खन्ना, मुरलीधरन राजा, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की सचिव रेखा यादव, डॉ एसएस राय, प्रवर्तन निदेशालय (टीमें) और इंदर धमीजा संयुक्त सचिव (खेल) शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि टीओपी योजना को राष्ट्रीय खेल विकास निधि के तहत बनाया गया था।, जिसका उद्देश्य ऐसे एथलीटों की पहचान करना और उनका समर्थन करना है जिनकी 2020 और 2024 ओलंपिक खेलों में पदक जीतने की संभावना है।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)